

Ibi Lepscky

Albert Einstein

Illustrated by Paolo Cardoni
Translated by Ruth Parte Craig



इबी लेप्स्की

अल्बर्ट आइंस्टीन

चित्र : पाउलो करदोनी



About one hundred years ago, there lived a boy named Albert Einstein.

Albert was a strange boy. Always absentminded.

Always messy.

It was a difficult job for him to tie his shoes.

लगभग एक सौ साल पहले, अल्बर्ट आइंस्टीन नाम का एक लड़का रहता था.

अल्बर्ट बड़ा अजीब लड़का था. वो हमेशा अपनी ही दुनिया में खोया रहता था.

वो हमेशा गंदा रहता था.

उसके लिए अपने जूतों के फीते बाँधना भी एक मुश्किल काम था.



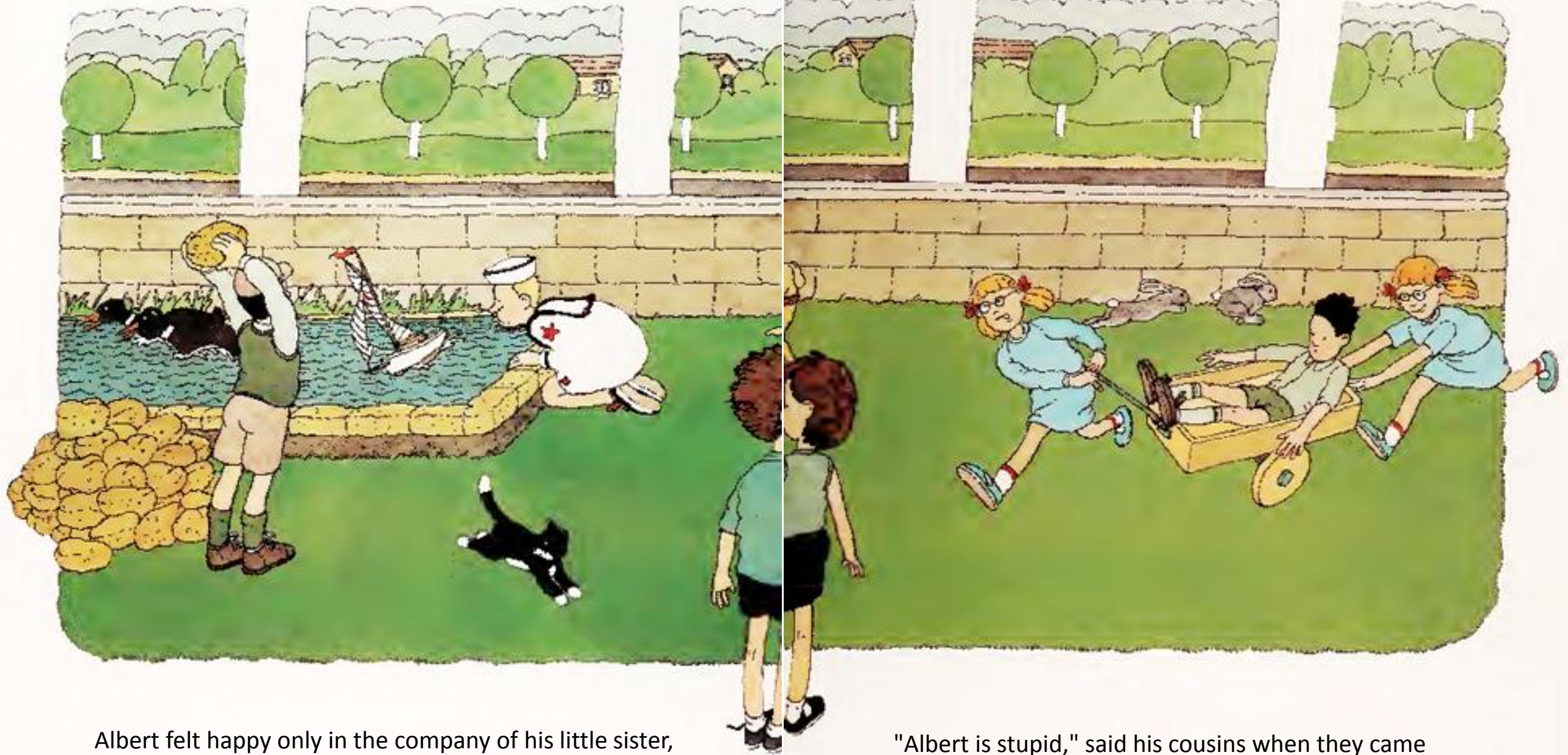
But he know how to play the violin very well. He did not like to play marbles or ball like other boys his age. Instead, he enjoyed looking for hours and hours at the shape of a leaf and playing with wooden blocks like a little child.

लेकिन वो वायलिन बहुत अच्छी तरह से बजाता था. उसे अपनी उम्र के दूसरे लड़कों की तरह कंचों या गेंद से खेलना पसंद नहीं था. उसकी बजाए वो किसी पत्ती के आकार को घंटों निहारता रहता था और छोटे बच्चों की तरह लकड़ी के ब्लॉक्स से घंटों खेलता रहता था.



He disliked long sleeves, and as soon as he could, snip went the scissors as he cut his sleeves above the elbow. He was not interested in the boys in his neighborhood, who invited him to play war. He preferred to chase the white chickens scratching in the garden and to try to make friends with them.

उसे लंबी आस्तीनें नापसंद थीं. जैसे ही उसे मौका मिलता वो कैंची से कच-कच करके अपनी आस्तीन को कोहनी से ऊपर तक काट देता था. उसे पड़ोसी लड़कों में कोई दिलचस्पी नहीं थी, क्योंकि वे हमेशा "युद्ध" का खेल खेलते थे. वो बगीचे में ज़मीन खरोंचती सफेद मुर्गियों का पीछा करता था और उनसे दोस्ती करने की कोशिश करता था.

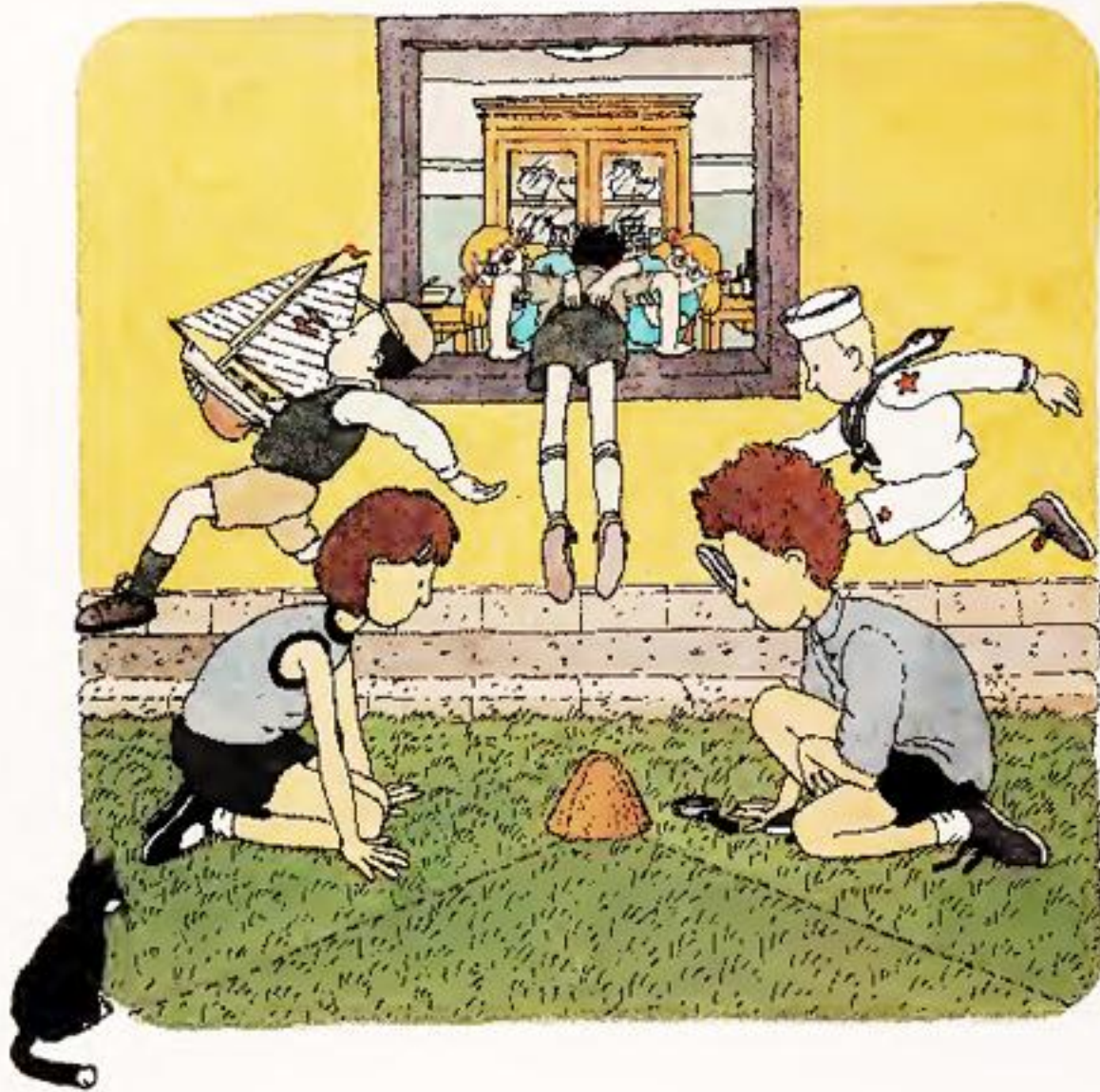


Albert felt happy only in the company of his little sister, Maja, whom he loved very much and who looked exactly like him. They were as alike as two drops of water.

अल्बर्ट को केवल अपनी छोटी बहन, माजा की संगत में खुशी मिलती थी। माजा से वो बहुत प्यार करता था और माजा देखने में बिल्कुल अल्बर्ट जैसी ही लगती थी। वे दोनों, पानी की दो बूंदों जैसे एक-समान थे।

"Albert is stupid," said his cousins when they came for a visit and tried to make him join in their games.

"अल्बर्ट बेवकूफ है," उसके चचेरे भाईयों ने कहा कि जब वे उसके घर आए। उन्होंने अल्बर्ट को अपने खेलों में शामिल करने की कोशिश भी की।



Albert ignored them and, with his sister, watched a colony of ants busy at work. He was a child different from others.

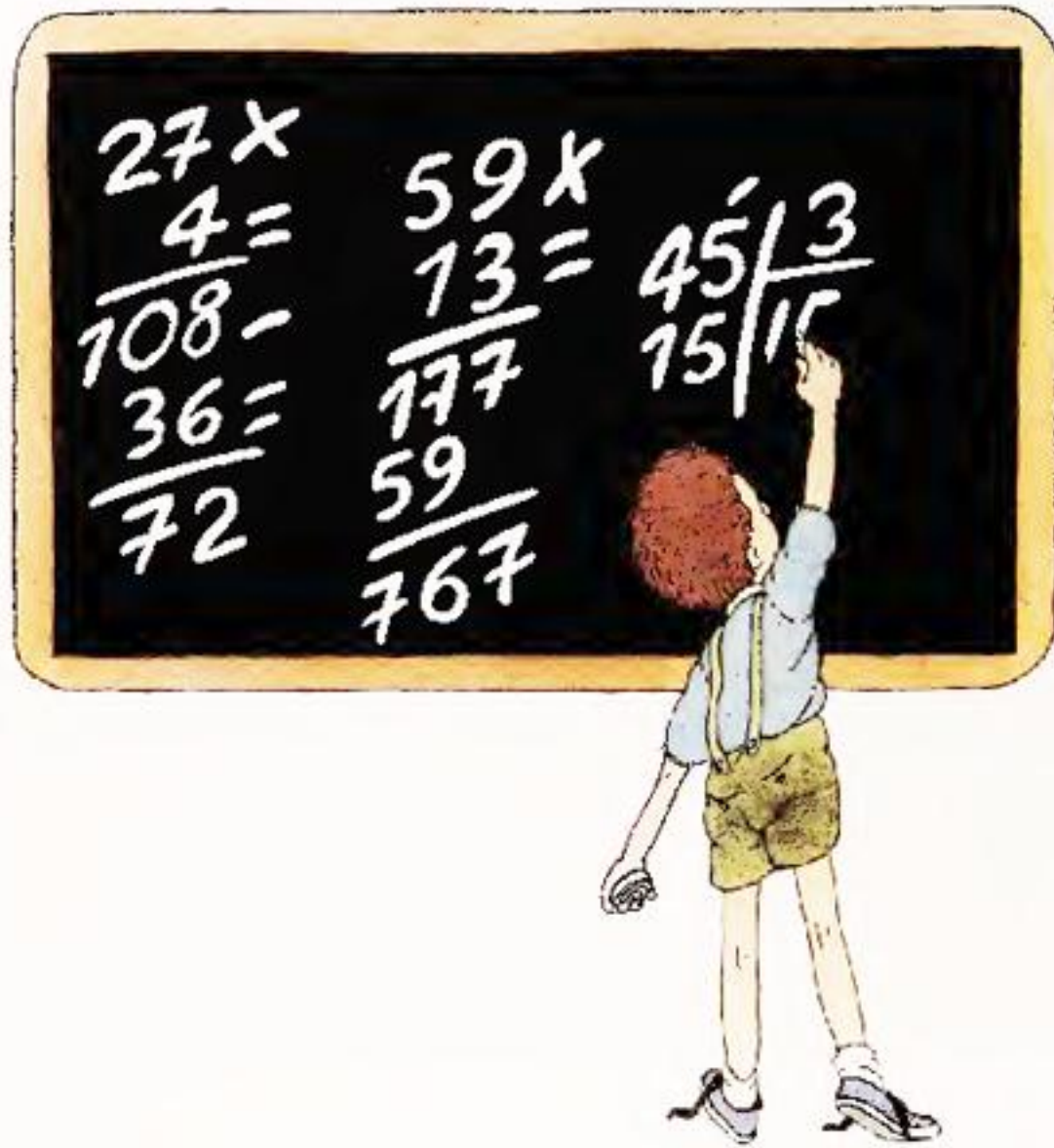
पर अल्बर्ट ने उन्हें नजरअंदाज किया और वो अपनी बहन के साथ व्यस्त चींटियों की एक कॉलोनी को निहारता रहा। अल्बर्ट, दूसरे बच्चों से बिल्कुल अलग था।



His parents loved him very much, but they were very worried about him.

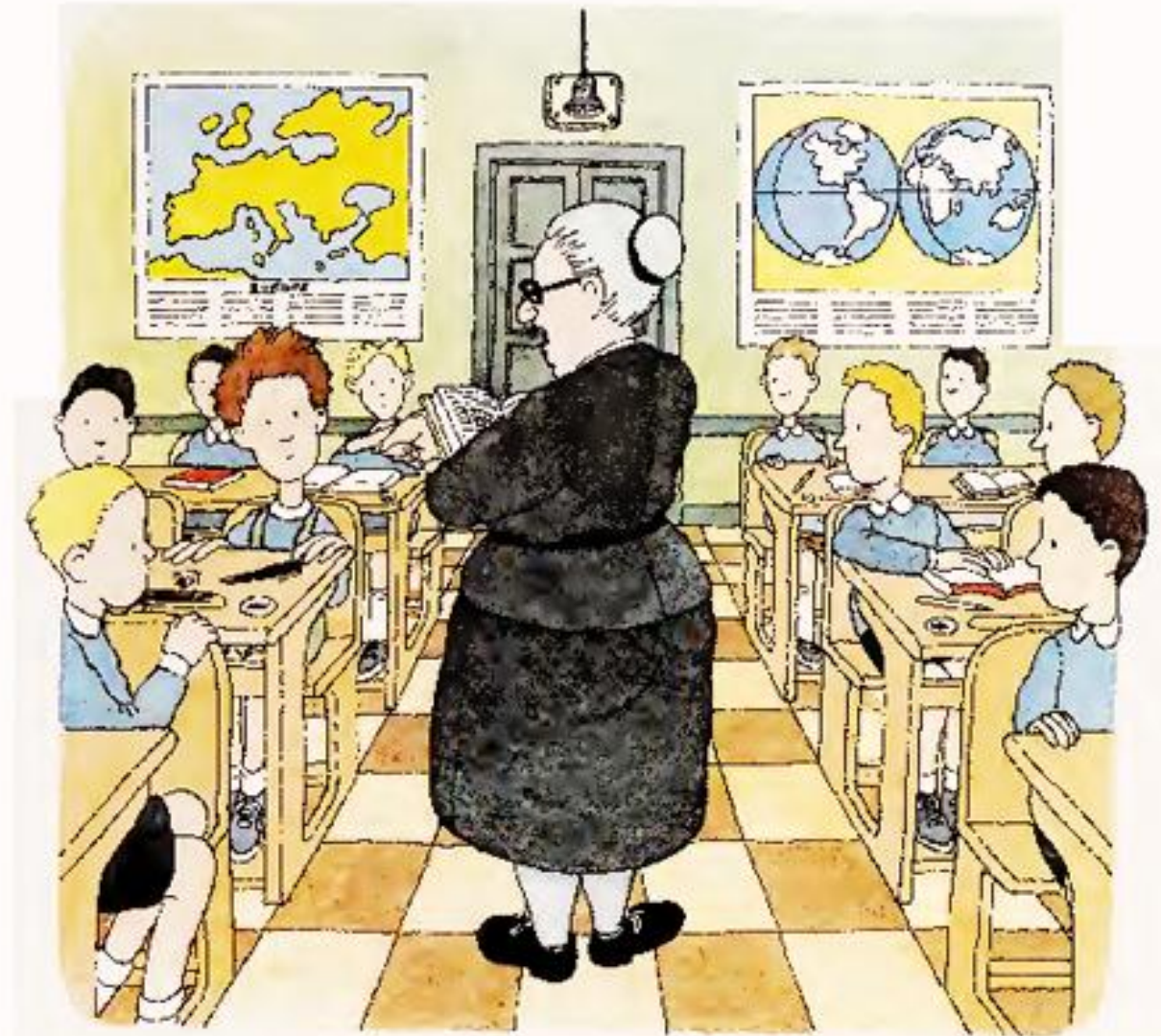
"Albert is a good boy," said his father one night. "But I would like it if he would study a little more and if he would show some interest in history and geography."

माता-पिता उससे बहुत प्यार करते थे, लेकिन वे भी उसको लेकर बहुत चिंतित थे। "अल्बर्ट एक अच्छा लड़का है," एक रात पिता ने कहा। "लेकिन अगर वह थोड़ा और पढ़ाई करे और वो इतिहास और भूगोल में कुछ दिलचस्पी दिखाए तो मुझे अच्छा लगेगा।"



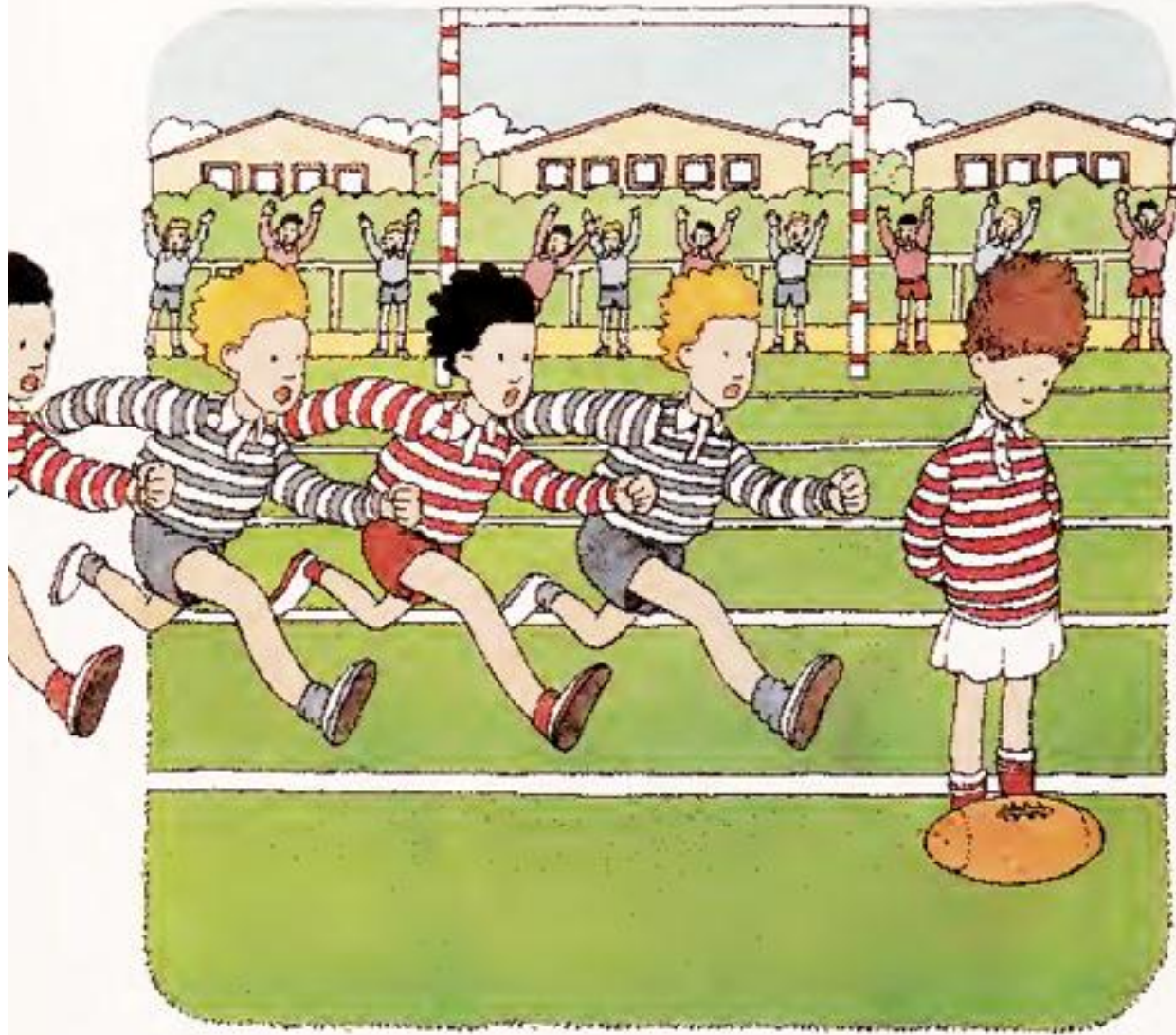
It was true, Albert did not like school. He hated history and geography, and he refused to memorize any lessons. He was interested only in learning arithmetic.

यह सच था कि अल्बर्ट को स्कूल पसंद नहीं था। उसे इतिहास और भूगोल से नफरत थी, और वो किसी भी पाठ को रटने से इंकार करता था। उसकी रुचि केवल अंकगणित सीखने में थी।



"It would be nice if you could leave, Albert," a teacher told him one day. "Your behavior at school, so distracted and absentminded, and your poor interest in all I teach set bad examples for the whole class."

"अच्छा होगा, अल्बर्ट, अगर तुम स्कूल छोड़ दो," टीचर ने एक दिन उससे कहा, "स्कूल में तुम्हारा व्यवहार बहुत खराब है और तुम हमेशा अपनी ही दुनिया में खोए रहते हो, और जो कुछ मैं पढ़ाती हूँ उसमें तुम कोई रुचि नहीं लेते हो। तुम पूरी कक्षा के लिए एक खराब उदाहरण हो।"



Albert did not even like sports and gymnastics. His classmates gave him the nickname of "Albert the Incapable."

One day, an older boy dared him by saying, "Look in my eyes if you are brave enough."

अल्बर्ट को खेल और कसरत भी नापसंद थे. उसके साथियों ने उसे, "नाकाबिल अल्बर्ट" का उपनाम दिया था.

एक दिन एक बड़े लड़के ने अल्बर्ट को चुनौती देते हुए कहा, "अगर तुम बहादुर हो तो मेरी आँखों में देखो."



Albert did not even realize it was a dare—he was so unaware of things. With his arms hanging at his sides and a faraway look on his face, he seemed lost in another world. And he gently replied, "Excuse me, but I'm not interested in your eyes."

The older boy was confused and left, grumbling to himself.

अल्बर्ट को भी इस बात का कोई अंदाजा नहीं हुआ कि वो लड़का उसे चुनौती दे रहा था - क्योंकि अल्बर्ट एकदम भोला था. अक्सर उसकी भुजायें कंधों से लटकती रहती थीं और उसका चेहरे किसी दूसरी दुनिया में खोया हुआ लगता था. फिर अल्बर्ट ने धीरे से उस लड़के से कहा, "मुझे माफ़ करो, लेकिन मुझे तुम्हारी आँखों में कोई दिलचस्पी नहीं है."

उससे बड़ा लड़का भ्रम में पड़ गया और फिर वो बड़बड़ाता हुआ वहां से चला गया.



That night, watching Albert outside, his father spoke to his mother. "I don't understand how a child could spend so many hours looking at the sky."

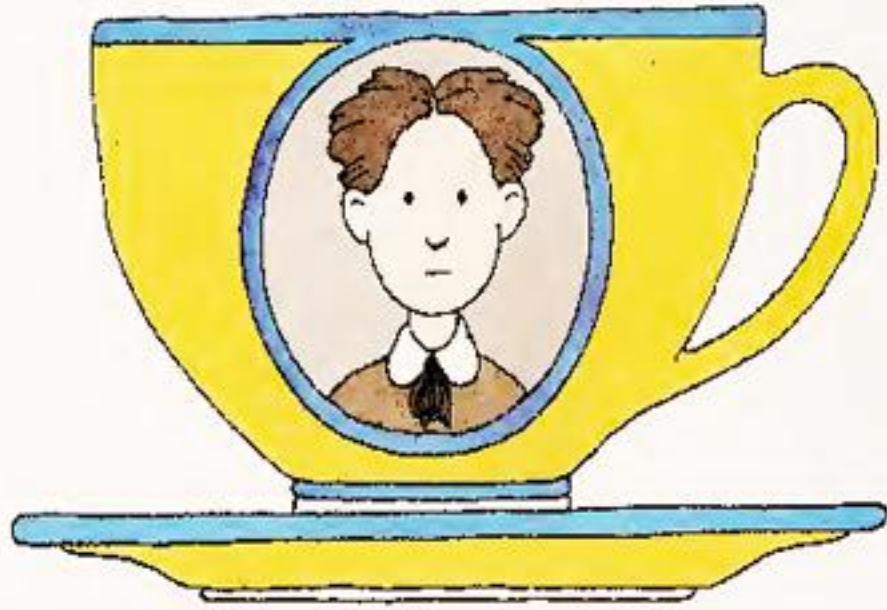
उस रात जब अल्बर्ट बाहर था तब उसके पिता ने माँ से कहा, "मुझे समझ नहीं आता है कि कोई बच्चा आकाश को इतने घंटों तक कैसे घूर सकता है."

His mother smiled and said, "He is trying to see God, He imagines that God is hidden among the clouds, comfortably stretched out in an armchair of granite."

"Oh," sighed his father. "Who will ever be able to understand what Albert has in his mind?"

माँ ने मुस्कुराते हुए कहा, "शायद वो ईश्वर को देखने की कोशिश कर रहा है. उसकी कल्पना का ईश्वर बादलों के बीच छिपा है, और वो एक ग्रेनाइट की कुर्सी पर बैठा आराम कर रहा है."

"ओह," पिता ने एक लम्बी आह भरते हुए कहा, "अल्बर्ट के दिमाग में क्या चलता है वो कभी कोई नहीं समझ पाएगा?"



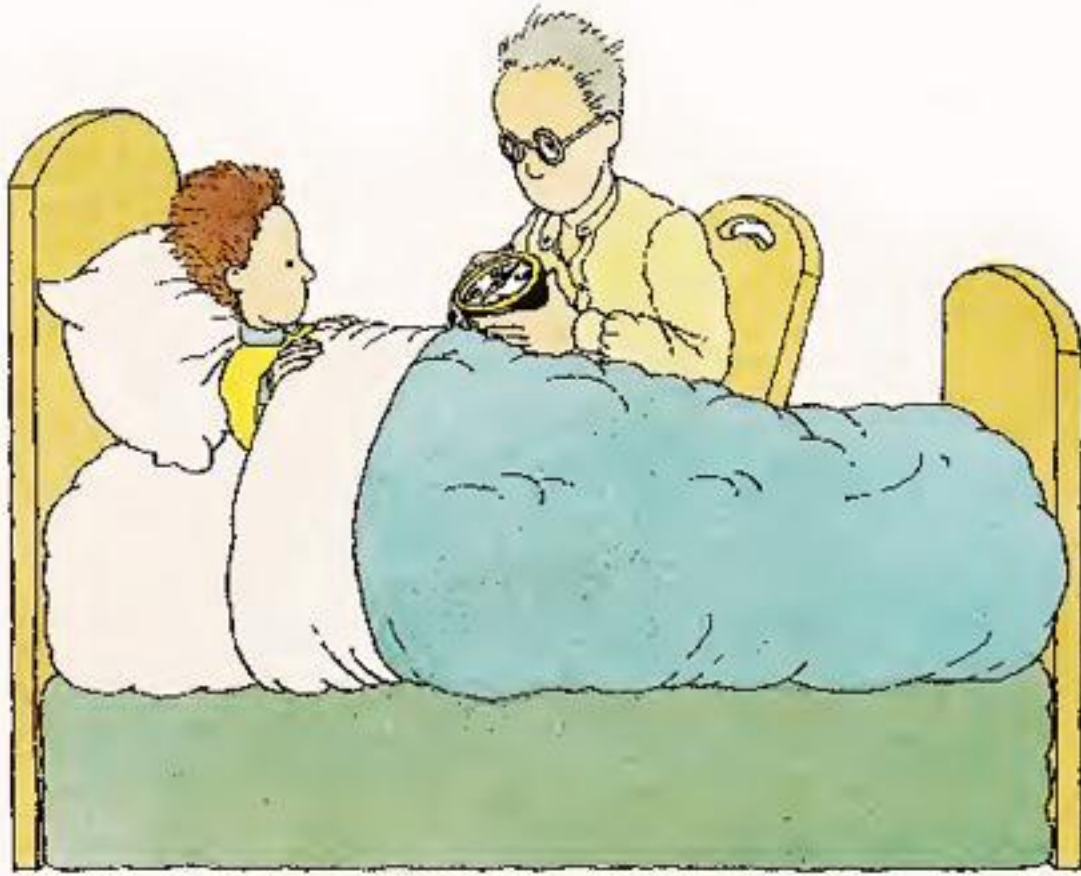
Albert's mother felt a special love and tenderness for Albert. She painted his picture on a little cup, and for the occasion, he was unusually well-groomed. The little cup was always displayed on the family's fireplace.

माँ को अल्बर्ट के प्रति एक विशेष प्यार और कोमलता महसूस हुई. इस अवसर पर माँ ने एक छोटे कप पर अल्बर्ट चित्र पेन्ट किया. आज के दिन अल्बर्ट काफी साफ़-सुथरा था और वो अच्छे कपड़े पहने था. वो छोटा कप हमेशा परिवार की अलाव के ऊपर रखा रहता था.



Albert's mother loved music very much, and in the evenings, she and Albert would improvise little concerts for the rest of the family. She would be at the piano and Albert at the violin.

अल्बर्ट की माँ को संगीत से बहुत प्रेम था. अक्सर शाम को, माँ और अल्बर्ट परिवार के बाकी सदस्यों के लिए कोई संगीत कार्यक्रम आयोजित करते थे. तब माँ पियानो बजातीं और अल्बर्ट वायलिन बजाता था.



One day, when Albert had a fever and had to stay in bed for a few days, his father gave him a compass.

"Albert, you can pretend to be the captain of a ship," said his father, "and control the route with the compass."

एक दिन अल्बर्ट को बुखार आया और उसे कुछ दिनों तक बिस्तर पर ही लेटना पड़ा. तब पिता ने उसे एक कम्पास दिया.

"अल्बर्ट, तुम अब एक जहाज के कप्तान होने का नाटक कर सकते हो," पिता ने उससे कहा, "और कम्पास की मदद से अपना मार्ग खोज सकते हो."



But Albert was not interested in the game his father suggested. He wanted to know right away why the compass needle was pointing to the big N and what were magnetic fields all about and where were the poles of the earth. He asked question after question.

It seemed they would never end.

Finally his father, exhausted, said curtly, "Because that's the way it is. That's all."

लेकिन अल्बर्ट को पिता द्वारा सुझाए गए खेल में कोई दिलचस्पी नहीं थी. अल्बर्ट बस यह जानना चाहता था कि कम्पास की सुई हमेशा "उत्तर" की ओर ही क्यों इशारा करती थी. चुंबकीय क्षेत्र क्या चीज़ थी और पृथ्वी के ध्रुव कहाँ थे? अल्बर्ट ने सवाल के बाद सवाल पूछे. ऐसा लगता था कि जैसे उसके सवाल कभी खत्म ही नहीं होंगे. अंत में उसके पिता थक गए और उन्होंने खीज कर कहा, "क्योंकि प्रकृति में ऐसा ही होता है. ऐसा ही."



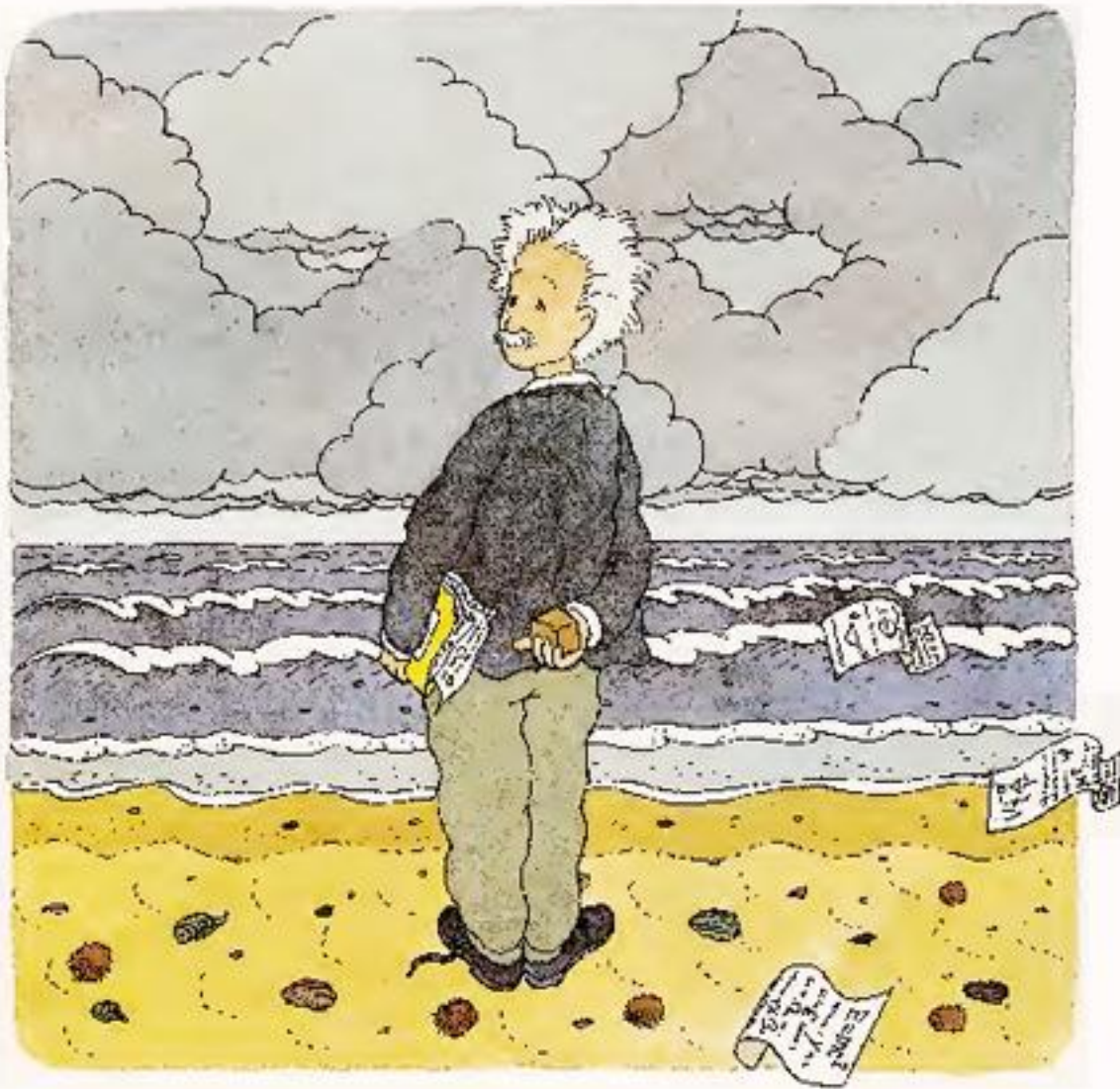
Later, Albert's father, thinking back about the boy's questions, was amazed that they were such thoughtful questions, so precise and sharp. Suddenly, he realized the truth about Albert. It was a truth that filled him with anguish, pride, and tenderness.

बाद में पिता ने जब अल्बर्ट के सवालों के बारे में गंभीरता से सोचा तो वो बहुत आश्चर्यचकित हुए. अल्बर्ट के प्रश्न बहुत विचारशील और सटीक थे. अचानक, उन्हें अल्बर्ट की असलियत और सच्चाई का कुछ अंदाज़ लगा. सच्चाई जानने के बाद पिता का हृदय पीड़ा, गर्व और कोमलता से भर गया.



Albert was indeed a child different from all others. His gaze, which everyone thought to be absentminded, really reflected a very busy mind, a mind that was exploring places where nobody else could follow. It was the mind of a genius.

अल्बर्ट सच में अन्य सभी बच्चों से अलग था. उसकी टकटकी, जिसे हर कोई खोया-खोया मानता था, वो वास्तव में एक बहुत व्यस्त दिमाग का प्रतिबिंब थी. उसका दिमाग उन स्थानों को खोज रहा था जहां पहले और कोई नहीं गया था. अल्बर्ट का दिमाग एक प्रतिभाशाली व्यक्ति का दिमाग था.



Albert's father was not mistaken.

When Albert grew up, his interest in every process of nature and science never stopped. He became a great scientist and developed new theories in physics that radically changed people's ideas about the universe. He discovered scientific truths never known before.

His mind made some of the greatest contributions in the history of human thought.

अल्बर्ट के पिता से गलती नहीं हुई थी.

जब अल्बर्ट बड़ा हुआ, तो प्रकृति और विज्ञान की हर प्रक्रिया में उसने रुचि दिखाई. वो एक महान वैज्ञानिक बना. उसने भौतिकी में नए सिद्धांत रचे जिसने ब्रह्मांड के बारे में लोगों के विचारों को मौलिक रूप से बदला. उसने एक ऐसे वैज्ञानिक सत्य की खोज की जो पहले कभी किसी ने नहीं पता था.

अल्बर्ट के सोच ने मानव विचार के इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण योगदान दिया.